धोक लगाऊं मैं तो दोन्यू जणा म्हारा भैरू जी प्यारा घणा

धोक लगाऊं मैं तो दोन्यू जणा,
म्हारा भैरू जी प्यारा घणा,
चम्पा गुरू जी प्यारा घणा।bd।

सूरज सामो थारो रे देवरो,
राजगढ़ में धाम है प्यारो,
दर्शन ने आवे घणा जणा,
म्हारा भैरू जी प्यारा घणा,
चम्पा गुरू जी प्यारा घणा।bd।

बाटी रे बाकला को भोग लगावा,
चरणा माई धोक लगावा,
धोक लगास्या दोन्यू जणा,
म्हारा भैरू जी प्यारा घणा,
चम्पा गुरू जी प्यारा घणा।bd।

रविवार ने आवे सवारी,
भक्तो की भीड़ लागे है भारी,
जोड़ा सू धोके कई जणा,
म्हारा भैरू जी प्यारा घणा,
चम्पा गुरू जी प्यारा घणा।bd।

ज्योत जले भैरू थारे अखण्डी,
ज्योत जले भैरू थारे अखण्डी,
दुखीया का दुखडा मेटे घणा,
म्हारा भैरू जी प्यारा घणा,
चम्पा गुरू जी प्यारा घणा।bd।

म्हारी विनती थे सुण लिज्यो,
पूरण सब काम म्हारो किज्यो,
सैनी भजन यो गावे घणा,
म्हारा भैरू जी प्यारा घणा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

चम्पा गुरू जी प्यारा घणा।bd।

धोक लगाऊं मैं तो दोन्यू जणा,
म्हारा भैरू जी प्यारा घणा,
चम्पा गुरू जी प्यारा घणा।bd।

– गायक एवं प्रेषक –
नन्दकिशोर सैनी
9829862491

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com